सीमा पार आतंकवाद वैश्विक चुनौती बन गया है: लोक सभा अध्यक्ष

...

साइबर युद्ध, ड्रग्स, हथियार, मनी-लॉन्ड्रिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए रक्षा साधनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है: लोक सभा अध्यक्ष

...

रक्षा क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को शामिल करने की नई नीति से सैन्य क्षमता मजबूत होगी: लोक सभा अध्यक्ष

...

रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और रक्षा बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के 63वें पाठ्यक्रम के सदस्यों को संबोधित किया

...

नई दिल्ली; 2 मार्च, 2023: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज संसद परिसर में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी), नई दिल्ली के 63वें पाठ्यक्रम के सदस्यों को संबोधित किया। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता देता आया है, श्री बिरला ने कहा कि रक्षा क्षेत्र ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत आज वैश्विक प्रगति, विकास, समृद्धि, शांति और स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। ऐसे समय में जब राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य जटिल होता जा रहा है, सीमा पार आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती बन गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साइबर युद्ध, ड्रग्स, हथियार, मनी-लॉन्ड्रिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए नवाचार के माध्यम से रक्षा क्षमता के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि लोकतंत्र के मंदिर में आने से वे विधानमंडलों की पद्धतियों और प्रक्रियाओं से सुपरिचित होंगे।

श्री बिरला ने कहा कि भारत का युद्ध का एक लंबा इतिहास रहा है और हमारे पास सैन्य रणनीति की एक समृद्ध विरासत है। चाणक्य का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि उनके द्वारा सिखाए गए युद्ध, कूटनीति और भावी रणनीति आदि के सिद्धांत आज भी राजनयिक संबंधों की पहचान हैं।

भारत के रक्षा क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि मजबूत भारत के लिए एक मजबूत सेना बनाने के लिए हमने पिछले कुछ वर्षों के दौरान अपने रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल करते हुए एक मजबूत सैन्य नींव रखी है। श्री बिरला ने कहा कि रक्षा औद्योगिक कॉरिडॉर के निर्माण से लेकर विनिर्माण तंत्र के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाने; आयात पर निर्भरता कम करने से लेकर रक्षा निर्यात बढ़ाने तक और उच्च बजटीय आवंटन से लेकर 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने तक भारत ने हर स्तर पर तेजी से प्रगति की है।

श्री बिरला ने रक्षा क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को शामिल किए जाने की नई नीति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के उपायों से हमारी सैन्य क्षमता और मजबूत होगी। अधिक से अधिक संख्या में लड़कियों के रक्षा बलों में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण को दर्शाता है।

श्री बिरला ने रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की भूमिका की सराहना की

रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के बारे में विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि यह समिति निर्वाचित प्रतिनिधियों और रक्षा बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती है। एक संसदीय प्रहरी के रूप में, समिति रणनीतिक, साइबर खतरों और रक्षा बलों की ड्रोन-विरोधी क्षमताओं सहित हाइब्रिड युद्ध के लिए सशस्त्र बलों की तैयारियों का आकलन, महत्वपूर्ण अनुसंधान पहलों, रक्षा उपकरणों के घरेलू उत्पादन के आकलन, रक्षा बलों का आधुनिकीकरण आदि जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार कर रही है।